दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर
शुक्रवार, 15 अगस्त 2025
वर्ष: 12 अंक: 244 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

दैनिक बुद्ध का संदेश | 8795951917, 9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अनुराग कश्यप की निशांची का ...8

किशतवाड़ में बादल फटा: 42 लोगों के मारे जाने की सूचना

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मचैल माता यात्रा के रास्ते में गुरुवार को भीषण बादल फटने से लगभग 42 लोगों के मारे जाने की सूचना है। वहीं, करीब 120 लोग घायल हैं। इतना ही नहीं, 200 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद से मंदिर की वार्षिक यात्रा स्थगित कर दी गई है। वहीं, बड़े पैमाने पर राहत अभियान चलाया जा रहा है। इस भीषण आपदा की कुछ तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं, जिसमें तबाही का मंजर साफ–साफ देखा जा सकता है। किश्तवाड़ में बादल फटने के बाद आई तबाही में अब तक 42 लोगों की मौत हो गई है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बादल फटने के बाद से हर तरफ सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। बादल फटने के बाद काफी सारे लोग फंस गए हैं। एनडीआरएफ ने लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया है। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि कैसे एनडीआरएफ के जवान लोगों की जान बचा रहे हैं। इस आपदा में कई लोगों पानी में बह गए हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ की टीम पूरी कोशिश में जुटी है। इस तस्वीर में साफ–साफ देखा जा सकता है कि बादल फटने के बाद से किश्तवाड़ में किस तरह का मंजर है। हर तरफ तबाही ही तबाही का मंजर नजर आ रहा है। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि जहां बादल फटा है वहां सिर्फ कंकड़–पत्थर और पानी के अलावा कुछ नहीं बचा है। यह भीषण आपदा कितना खतरनाक है, इस बात का अंदाजा आप इस तस्वीर से लगा सकते हैं कि वाहन पूरी तरह से डूब गई है।

200 से अधिक लोग अभी भी लापता

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि अगर यह अनुमान सही साबित हुआ तो यह त्रासदी और भी भयावह हो सकती है। अपुष्ट जानकारी के अनुसार, 200 से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनका कोई सुराग नहीं है। लंगर और उसमें मौजूद लोगों का समाचार लिखे जाने तक कोई अता–पता नहीं था। मचैल यात्रा मार्ग पर चशोती वाहन से पहुंचने का अंतिम पड़ाव है। इसके आगे साढ़े किलोमीटर की पैदल यात्रा या मोटरसाइकिल से सफर किया जाता है। हादसे वाली जगह ही वाहन स्टॉप और सुरक्षा जांच चौकी थी, जहां सेना, सीआईएसएफ और एसडीआरएफ के जवान तैनात थे। लेकिन सैलाब के बाद से इनके बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है।

राहत और बचाव कार्य जारी

हादसे के बाद हालात इतने विकट हो गए कि अफरा–तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, सैलाब आने से चशोती में तबाही मचने के बाद मचैल यात्रियों को मोटरसाइकिल पर ले जाने वाले स्थानीय चालक राहत और बचाव कार्य में सबसे पहले कूद पड़े। हादसे के वक्त वह चशोती पुल से करीब 200 मीटर दूर अपने स्टाप पर मौजूद थे। उन्होंने चालकों ने बिना समय गंवाए घायलों को पांच किलोमीटर दूर हमीरी लंगर तक पहुंचाया। यहां लंगर संचालकों और यात्रियों में शामिल स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने वालंटियर के तौर खुद आगे आए और घायलों को प्राथमिक उपचार देना शुरू किया।

नागरिकों की रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे

राष्ट्रपति बोलीं- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मिसाल बनेगा ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक मिसाल के रूप में याद किया जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले को श्कायरतापूर्ण और पूरी तरह से अमानवीयश बताया। उन्होंने आगे कहा कि पहलगाम हमले के प्रति भारत की प्रतिक्रिया, ऑपरेशन सिंदूर, निर्णायक और दृढ़ संकल्प के साथ थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि राष्ट्र की रक्षा के लिए हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नागरिकों की रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष हमें आतंकवाद का दंश झेलना पड़ा। कश्मीर घूमने गए निर्दोष नागरिकों की हत्या, कायरतापूर्ण और नितांत अमानवीय थी। इसका जवाब भारत ने, फौलादी संकल्प के साथ निर्णायक तरीके से दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि जब राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न सामने आता है तब हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, प्रतिरक्षा के क्षेत्र में, श्आत्मनिर्भर भारत मिशनश की परीक्षा का भी अवसर था। अब यह सिद्ध हो गया है कि हम सही रास्ते पर हैं। हमारा स्वदेशी विनिर्माण उस निर्णायक स्तर पर पहुंच गया है जहां हम अपनी बहुत सी सुरक्षा–आवश्यकताओं को पूरा करने में भी आत्मनिर्भर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं से प्रेरित होकर, हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम ने अभूतपूर्व विस्तार देखा है। मुझे विश्वास है कि शुभांशु शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक की अंतरिक्ष यात्रा ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। यह भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, श्गगनयानश के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। नए आत्मविश्वास से ओतप्रोत, हमारे युवा खेलों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

मेरे पति के हत्यारे को मिट्टी में मिलाया

सपा विधायक ने सीएम योगी की जमकर की तारीफ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की विधायक पूजा पाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के लिए धन्यवाद दिया, जिससे राज्य में कानून–व्यवस्था में सुधार हुआ। सपा विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर उन्हें न्याय दिलाया, जिसके कारण अतीक अहमद जैसे अपराधी मारे गए। दावा किया जाता है कि पूजा पाल के पति राजू पाल की अतीक अहमद और उनके साथियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में श्विजन डॉक्यूमेंट 2047श पर 24 घंटे की मैराथन चर्चा के दौरान बोलते हुए, पूजा पाल ने कहा कि हर कोई जानता है कि मेरे पति (राजू पाल) की हत्या किसने की। मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे न्याय दिलाया और मेरी बात तब सुनी जब किसी और ने नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर प्रयागराज में मेरे जैसी कई अन्य महिलाओं को न्याय दिलाया, जिसके कारण अतीक अहमद जैसे अपराधी मारे गए। आज पूरा राज्य मुख्यमंत्री को और विश्वास की नजर से देखता है।

उन्होंने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि मेरे पति के हत्यारे अतीक अहमद को मुख्यमंत्री ने मिट्टी में मिलाने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि जब मैंने देखा कि कोई भी अतीक अहमद जैसे अपराधियों के खिलाफ लड़ना नहीं चाहता, तो मैंने आवाज उठाई। जब मैं इस लड़ाई से थकने लगी, तो सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुझे न्याय दिलाया। 2005 में पूजा पाल से शादी के कुछ दिनों बाद प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फरवरी 2023 में हत्या के एक प्रमुख गवाह उमेश पाल की प्रयागराज के सुलेम सराय इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उमेश और उसके गनरों पर कई राउंड फायरिंग की गई और बम फेंके गए। अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ अहमद मुख्य आरोपी थे और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। 15 अप्रैल 2023 की रात को प्रयागराज में मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय खुद को पत्रकार बताकर कुछ लोगों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी।

अवकाश सूचना

सुधी पाठकों, हॉकर बंधुओं, विज्ञापन दाताओं एवं अभिकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर बुद्ध का संदेश कार्यालय शुक्रवार 15 अगस्त को बंद रहेगा। अगला अंक रविवार 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

–प्रकाशक

सांप काटने को लेकर झाड़-फूंक के चक्कर में हुई मौत, पीएम के लिए भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ क्षेत्र के परसा गांव में बुधवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आया है। आपको बता दें कि 14 वर्षीय समित गौड़ पुत्र विनोद गौड़ की सांप के काटने से मौत हो गई। समित रात करीब 12 बजे अपने घर के बरामदे में सो रहा था। गेट के चौनल से घुसे जहरीले सांप ने उसे डस लिया। बच्चे की चीख सुनकर परिजनों को घटना का पता चला। हालांकि अस्पताल ले जाने की बजाय परिजन गांववालों की सलाह पर झाड़-फूंक कराने लगे। इस दौरान जहर तेजी से शरीर में फैलता गया और बच्चे की हालत बिगड़ती चली गई। जब स्थिति अत्यन्त नाजुक हो गई, तब परिजन उसे शोहरतगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने के कुछ ही क्षण बाद समित की मृत्यु हो गई। डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सांप के काटने के मामले में हर पल महत्वपूर्ण होता है। तुरन्त नजदीकी अस्पताल पहुंचकर एंटी-वेनम का इलाज कराना जरूरी है। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग वैज्ञानिक इलाज की बजाय झाड़-फूंक पर भरोसा करते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर सही इलाज मिलता तो बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। वहीं परिजनों ने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए सिद्धार्थनगर भेजा गया।

नगर अध्यक्ष इटवा में सड़क निर्माण की किया मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत इटवा के अशोक नगर सोनबरसा और राम लखन नगर सल्लधार बुजुर्ग के बीच सड़क निर्माण का मामला सामने आया है। दोनों क्षेत्रों के बीच नहर से होकर लगभग 2 किलोमीटर की दूरी है। इस मार्ग पर कुछ हिस्सों में आरसीसी सड़क का निर्माण किया गया है। वर्तमान में बरसात के मौसम में बचे हुए खड़न्जा मार्ग की स्थिति खराब हो गई है। ग्रामीणों ने नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल से इस मार्ग के निर्माण की मांग की है। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि बरसात के मौसम के बाद शेष बचे खड़न्जा मार्ग को आरसीसी सड़क में बदल दिया जायेगा। इस आश्वासन से ग्रामीणों में प्रसन्नता देखी गई। मौके पर शिव कुमार यादव, शिवमंदर, प्रकाश यादव, रेखा यादव, तीरथ, रामकेर यादव, राज कुमार, बिन्दा, प्रभु नाथ और राम कृपाल सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

महिलाओं ने हल षष्ठी पर माताओं का सामूहिक पूजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खेसरहा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पारम्परिक आस्था और उत्साह के साथ गुरुवार को हल षष्ठी पर्व मनाया गया। माताओं ने पुत्रों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए दिनभर व्रत रखा और शाम को सामूहिक रूप से पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर बेलवा लगुनही, बेलौहा बाजार, मूजडीह, बनकेगांव, टिकुलिया, गोसियारी, महुलानी, सकारपार, पैडारी, नासिरगंज, भेड़ौहा, कुइंजा सहित अन्य गांवों में महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा में पूजा स्थलों पर एकत्रित हुईं। बेलवा लगुनही गांव की विमला देवी ने कहा कि यह पर्व हमारी परम्परा और मातृत्व की भावनाओं से जुड़ा है, हम हर साल पूरे श्रद्धा से व्रत रखते हैं। मूजडीह की रामदुलारी ने बताया कि पुत्र की लम्बी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए हल षष्ठी का व्रत अत्यन्त फलदायी माना जाता है। बनकेगांव की शान्ति देवी ने कहा कि आज के दिन दूध, दही और फल से ही दिन भर का व्रत पूरा किया जाता है और हल से जुड़ी वस्तुओं का पूजन होता है। नासिरगंज की कमला देवी ने बताया कि इस पर्व पर महिलाएं सामूहिक रूप से पूजा कर आपसी मेलजोल भी बढ़ाती हैं, जिससे सामाजिक सम्बन्ध मजबूत होते हैं। पूरे क्षेत्र में दिन भर धार्मिक वातावरण बना रहा। पूजा-पाठ के बाद महिलाओं ने पारम्परिक गीत गाये और प्रसाद वितरण किया। हल षष्ठी पर्व ने न केवल धार्मिक आस्था को प्रबल किया, बल्कि सामाजिक एकता का भी सन्देश दिया।

विद्यालय समय से पहले बन्द, शिक्षक कर रहे मनमानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड इटवा के कम्पोजिट विद्यालय पतिला में बुधवार को शिक्षकों ने समय से पहले विद्यालय बन्द कर दिया, जबकि स्कूल में टीकाकरण कार्यक्रम चल रहा था। विद्यालय में 12.35 बजे ताला लटका मिला और प्रधानाध्यापक सहित कोई शिक्षक उपस्थित नहीं थे। विद्यालय का समय सुबह 7.30 बजे से 2.00 बजे तक निर्धारित है। प्राथमिक विद्यालय भवन में बीएचएनडी टीकाकरण चल रहा था, जबकि पूर्व माध्यमिक विद्यालय भवन में ताला लटका था। टीकाकरण में तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि विद्यालय 12.30 बजे बन्द कर दिया गया। बीईओ राजेश कुमार ने कहा कि समय से पहले स्कूल बन्द करना गलत है और मामले की जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

यूरिया खाद की किल्लत से किसान परेशान, खेतों में कैसे डालें खाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के बर्डपुर विकास क्षेत्र में धान की फसल के लिए यूरिया खाद की भारी कमी देखी जा रही है। किसान पिछले 15 दिनों से खाद की तलाश में दुकानों का चक्कर लगा रहे हैं। धर्मपुर सिपुरा में 12 अगस्त को स्टॉक उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को खाद नहीं मिली। किसानों का आरोप है कि दुकानदार तस्करों से मिलकर सब्सिडी वाली भारतीय खाद को नेपाल भेज रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गोदामों के माध्यम से रात में खाद की तस्करी की जा रही है। नौगढ़वा में मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कुछ खाद का वितरण किया गया। लेकिन मजिस्ट्रेट के जाने के बाद लाइन में खड़े किसानों को खाद से वंचित कर दिया गया। इसके बजाय चुनिन्दा लोगों को खाद दी गई। किसान मोहम्मद खलील और कलीमुद्दीन ने बताया कि उन्हें ब्लैक में अधिक कीमत पर खाद खरीदनी पड़ रही है। अधिकारी किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। डीएम डॉ0 राजा गणपति आर ने कहा कि लिखित शिकायत मिलने पर जांच की जायेगी। प्रशासन राजस्व टीम की ड्यूटी लगाकर खाद वितरण की निगरानी कर रहा है। अवैध वितरण करने वाली दुकानों पर कार्रवाई की जा रही है।

समिति पर एक हफ्ते से खाद न मिलने से किसान हुए परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

ककरहवा/सिद्धार्थनगर। साधन सहकारी समिति ककरहवा में एक सप्ताह से यूरिया खाद न पहुंचने से क्षेत्रीय किसान परेशान हैं। एक सप्ताह से बार-बार यह बताया जा रहा कि यूरिया खाद समिति पर टोकन नम्बर एलाट होने के बाद मिल जायेगा। प्रतिदिन पांच बजे सुबह से लेकर दो बजे दिन तक सचिव का इंतजार किया जा रहा है। सहायक विकास अधिकारी सहकारिता अम्ब्रीश यादव ने बताया कि यूरिया खाद के उठान के लिए गोदाम पर ट्रक लगा हुआ है। बरसात होने से लेबर ट्रक पर यूरिया खाद लोड नहीं कर पा रहे हैं।

लोटन ब्लाक के नवागत बीडीओ से शिष्टाचार से मिले कर्मचारी व सफाईकर्मी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन के नवागत खण्ड विकास अधिकारी ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल आईएएस

अधिकारी (प्रशिक्षु) से शिष्टाचार भेंट एवं मुलाकात करते हुए उपस्थित ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ लोटन जनपद सिद्धार्थनगर के सभी सम्मानित पदाधिकारीगण एवं कर्मचारी भाई महामंत्री जितेन्द्र कुमार, ब्लाक कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार, छोटेलाल (भगत जी), रामनेवास, विनोद कुमार, राजकुमार ब्लाक संप्रेक्षक, गंगाराम ब्लाक उपाध्यक्ष, दिनेश कुमार, कमलेश कुमार न्याय पंचायत अध्यक्ष, जनार्दन प्रसाद, महेन्द्र कुमार, पिन्टू आदि की गरिमामई उपस्थिति रही।

खाद के लिए किसान परेशान, तस्करों की चांदी, किसानों की किल्लत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बढ़नी में खाद की किल्लत से किसान परेशान हैं, जबकि तस्करों को खाद आसानी से मिल जा रही है। क्षेत्र के धनौरी उर्फ जिगिनिहवा, सेमरहवा, मधवापुर उर्फ गुलरी, मझनी, मलगहिया, घरूवार सहित बढ़नी कस्बे से खाद लाद कर तस्कर साइकिल से नेपाल की तरफ जाते आसानी से देखे जा सकते हैं। सीमा क्षेत्र के कई गांवों में तस्करों ने खाद को डम्प कर गोदाम बना रखा है। वहीं बढ़नी क्षेत्र के ढकुल गांव की सहकारी समिति पर बुधवार को खाद के लिए बड़ी लाइन लगी हुई थी। क्षेत्र के आस-पास के निवासियों ने बताया कि खाद की सीमा क्षेत्र में कालाबाजारी हो रही है। नेपाल में तस्करों के माध्यम से खाद आसानी से पहुंच जा रहा है जबकि क्षेत्र के निवासियों को खाद की दुकान, सहकारी केन्द्रों पर लाइन में लगने पर भी खाद नहीं मिल पा रही है। बढ़नी कस्बा निवासी पंकज चतुर्वेदी ने कहा खाद की किल्लत से किसानों में हाहाकार है। क्षेत्र में खाद या तो ब्लैक हो रही है या तो तस्करों के भेंट चढ़ जा रही है।

एनओसी मिलने से सड़क निर्माण की राह हुई आसान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी बाजार के वार्ड न0-07 में रेलवे फाटक के समीप की जर्जर सड़क बनाने के लिए रेलवे ने अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। उक्त जानकारी नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने दी। उन्होंने बताया कि जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य भी शुरू हो जायेगा। रेलवे ने 04 अगस्त को जारी किये गये एक पत्र में यह स्पष्ट किया गया है कि अब इस सड़क का निर्माण नगर पंचायत की ओर से कराया जा सकता है। वहीं सीनियर सेक्शन इंजीनियर को निर्देश दिया गया है कि वे नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ मिलकर मौके का संयुक्त निरीक्षण करें और स्केच जमा करें। आगे की प्रक्रिया के लिए साइट नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने भी लगातार मुख्यमंत्री और रेलवे अधिकारियों को पत्र लिखकर इस समस्या पर ध्यान केन्द्रित कराया। इस अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने से स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है। अब यह तय माना जा रहा है कि जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू होगा और वर्षों से चली आ रही परेशानी खत्म होगी।

चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने मुख्यमंत्री और सांसद को लिखा पत्र, हाई-टैंशन लाइन हटाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी बाजार के वार्ड संख्या-07 कल्लनडीह में लोगों के घरों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की हाई-टेंशन बिजली की लाइनें मौत का साया बनी हुई हैं। इस मुद्दे को लेकर नगर पंचायत बढ़नी बाजार के चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने मुख्यमंत्री और स्थानीय सांसद जगदंबिका पाल को एक पत्र लिखकर इस समस्या से अवगत कराया है। उन्होंने तत्काल इन खतरनाक तारों को हटाने की मांग की है। चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने अपने पत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले घरों के निर्माण कार्य के दौरान 11 हजार की लाइन से टकराकर दो मजदूरों की मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बावजूद बिजली विभाग ने इस गम्भीर खतरे को दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। पत्र में चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने कहा है कि इन तारों के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। वे लगातार इस मुद्दे पर अधिकारियों का ध्यान खींचते रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे विद्युत विभाग को इस दिशा में उचित निर्देश दें, ताकि वार्ड के निवासियों को सुरक्षित किया जा सके।

इटवा में खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। जनमानस को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार को इटवा में एक व्यापक जांच अभियान चलाया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने विभिन्न दुकानों पर छापेमारी कर सात नमूने एकत्रित किये। इन सामग्रियों की शुद्धता की जांच के लिए नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला में भेजा जायेगा। टीम ने इटवा के बढ़नी मार्ग और डुमरियागंज-बांसी मार्ग पर स्थित दुकानों से नमूने लिये गये। इनमें दो नमकीन, एक रस, एक आटा, एक साबूदाना, एक किशमिश और एक छोहारे का नमूना शामिल है। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ के आयुक्त और जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई। टीम ने दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और मिलावटी सामान न बेचने के निर्देश दिये। इस अभियान में सहायक आयुक्त द्वितीय आर0एस0 यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेन्द्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जय प्रकाश, रंजन कुमार श्रीवास्तव और हीरा लाल शामिल रहे। अधिकारियों ने कहा कि यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

खतरे का कारण बन सकता है पुल का अप्रोच

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा-बांसी मार्ग पर बरगदवा के पास पुल का अप्रोच धंस गया है। जिसके चलते दुर्घटना का खतरा हर समय बना रहता है। चूंकि उक्त सड़क मार्ग महत्वपूर्ण है और जिला मुख्यालय सिद्धार्थनगर को भी जाता है, इसलिए हर समय वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। आमिर, अशोक कुमार, मो0 अनीस सहित अन्य लोगों ने पुल के एप्रोच ठीक कराने की मांग की है।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने वितरित किया झण्डा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल द्वारा सुपरवाइजरों को तिरंगा झण्डा वितरण किया। निकाय क्षेत्र के सभी वार्डों के हर घर पर तिरंगा लगाने के उद्देश्य से इसका वितरण किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि हर घर पर तिरंगा लगाकर सभी लोग अभियान को सफल बनाएं। इस अवसर पर सभी सुपरवाइजर एवं नगर पंचायत कर्मचारी मौजूद रहे।

सुहिया गांव में नीचे लटक रहा बिजली का तार, खतरे की शंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड इटवा के सुहिया गांव में बिजली तार काफी नीचे लटक रहा है। हाईटेंशन तार के नीचे लगी सुरक्षा जाली भी बहुत नीचे लटक गई है, जिससे तार कभी भी किसी के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। राम सजीवन, राजू ने बिजली विभाग के अधिकारियों से समस्या समाधान हेतु उचित कदम उठाने की मांग की है।

गांवों में बेसहारा पशुओं के झुण्ड से किसान परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खुनियांव अन्तर्गत गालापुर, थोबहा, मानादेई, गौरा, सत्तावारजोत आदि गांवों में बेसहारा पशुओं के झुण्ड से किसान परेशान हैं। किसानों ने प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ आवाज उठाते हुए समस्या का समाधान करने की मांग की है।

जहरीले सांप के काटने से अधेड़ की मृत्यु

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड खुनियांव अन्तर्गत कलशारी नानकार निवासी 50 वर्षीय मोहम्मद रजा की जहरीले सांप

के काटने से मृत्यु हो गई। वह खेत में छप्पर बनाकर रहते थे और मंगलवार रात को उन्हें सांप ने काट लिया।

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रविप्रकाश मौर्य

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेन्द्र यादव

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
धीरज तिवारी

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश कुमार तिवारी

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डायरेक्टर तेजस

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ललित कुमार पाठक

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
तेज नारायण राव

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
धीरेंद्र त्रिपाठी

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डाली मिश्रा
खंड शिक्षा अधिकारी

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
परमेश्वर प्रसाद

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपेंद्र पाडेय

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
देवी प्रसाद त्रिपाठी

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सफीर सिद्दीकी

आप सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक बधाई
बब्लू चौबे
समाज सेवी

आप सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक बधाई
मंटू सिंह
समाज सेवी

आप सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक बधाई
सच्चिदानन्द पाण्डेय

आप सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक बधाई
संतोष पासवान

आप सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक बधाई
ऋषि प्रताप सिंह

आप सभी देश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
15th AUGUST
की हार्दिक बधाई
फतेह बहादुर सिंह

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
अंकित सिंह

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
केशभान यादव
त्रिपुरारी नाथ पाण्डेय

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
विजय पाल सिंह
निशार अहमद

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
अमित कुमार चौधरी

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
रविन्द्र कुमार जाटव
प्रदीप कुमार मोदनवाल

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
पंकज कुमार विश्वकर्मा
ग्राम प्रधान

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
रविन्द्र कुमार जाटव
सुनैना त्रिपाठी
ग्राम प्रधान

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
दिलीप पटेल
रत्नेश कुमार शुक्ल

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
मनोज कुमार
राजेश कुमार यादव

आप सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
आशीष कुमार
दिनेश कुमार
ग्राम प्रधान

सम्पादकीय

यह भी कि कदम समय से पहले उठा लिया गया। इस फैसले के क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालनगत चुनौतियां भी सामने आई। जनाक्रोश के चलते राज्य सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस कार्रवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया। फिर आयोग ने समीक्षा बैठक के बाद फैसले ...

दिल्ली–एनसीआर में अभी चलेंगे पुराने वाहन

सुप्रीमकोर्ट ने फिलहाल दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उन वाहन मालिकों को राहत दी है, जिनके वाहनों के खिलाफ पहले कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। दरअसल, प्रदूषण संकट के मद्देनजर इन क्षेत्रों में दस वर्ष से अधिक के डीजल व पंद्रह वर्ष से अधिक के पेट्रोल वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्णय हुआ था। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने ऐसे वाहनों के मालिकों को राहत देते हुए अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई रोकने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट एनजीटी के निर्देश को बरकरार रखने वाले 29 अक्तूबर 2018 के फैसले को वापस लेने की मांग से संबंधित याचिका पर विचार कर रहा था। दरअसल, एनजीटी के आदेश के अनुरूप ही वाहनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए थे। एनजीटी ने आदेशों के अनुपालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल का कोर्ट से आग्रह था कि दंडात्मक कदम रोकने के आदेश पर विचार किया जाए। कोर्ट ने इस बाबत चार सप्ताह में जवाब देने की बात कही है। दरअसल, दिल्ली सरकार की भी ऐसी मंशा थी, जिसने प्रतिबंध को अदालत में चुनौती दी थी। वास्तव में सत्ताधीशों को आशंका थी कि इस फैसले का व्यापक विरोध हो सकता है क्योंकि लोगों को औने–पौने दामों में महंगे वाहन बेचने को बाध्य होना पड़ता। जिससे उपजा आक्रोश ट्रिपल इंजन सरकार के लिये राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है। कोर्ट का यह भी कहना था कि केंद्र सरकार व गुणवत्ता प्रबंधन आयोग गंभीर अध्ययन करें ताकि अवधि आधारित प्रतिबंधों के मुकाबले उत्सर्जन आधारित मानदंडों का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन हो सके। दरअसल, आम मध्यमवर्गीय परिवारों में कार का इस्तेमाल कम होता है और वे अपनी आर्थिक सीमाओं के चलते वाहनों को लंबी अवधि तक बड़े कायदे से रखते हैं। उनका वाहन अधिक वर्षों तक चलता है लेकिन उसके उपयोग की अवधि कम होती है। निस्संदेह, एक आम भारतीय के लिए कार आत्मीय अहसासों का प्रतीक भी है, जिसे वह आमतौर पर जीवन में एक बार ही खरीद पाता है। ऐसे में आत्मीय अहसासों से जुड़ी कार को औने–पौने दामों में बेचना उसके लिये कष्टकारी है। वैसे भी आजकल तमाम लोग भीड़–भाड़ से बचने के लिये टैक्सी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में वाहन लंबे समय तक प्रदूषण रहित जीवन पा सकता है। दरअसल, दिल्ली सरकार का भी मानना था कि वाहनों की समय सीमा संबंधी नीति लागू करते वक्त इसके निर्माण वर्ष के बजाय वास्तविक इस्तेमाल के मानक पर विचार करें। दरअसल, दिल्ली सरकार ने जनाक्रोश के चलते इसे संवेदनशील विषय मानकर अपने नजरिये में बदलाव किया। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों व लोगों के रोष के मद्देनजर इसे क्रियान्वित नहीं किया जा सका था। सरकार ने महसूस किया कि फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी कि कदम समय से पहले उठा लिया गया। इस फैसले के क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालनगत चुनौतियां भी सामने आईं। जनाक्रोश के चलते राज्य सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस कार्रवाई पर रोक लगाने का आग्रह किया। फिर आयोग ने समीक्षा बैठक के बाद फैसले पर फौरी तौर पर रोक लगाई। वैसे भविष्य में भी इस फैसले पर यदि अमल होता है तो सरकार को वाहन मालिकों का गुस्सा झेलना होगा। दरअसल, इस सख्त फैसले से किसी वाहन के बचने की उम्मीद नहीं है। वास्तव में ये वाहन स्वामियों के लिये एक भावनात्मक मुद्दा बन चुका है। वे मानते हैं कि उन्होंने अपने वाहन की कायदे से मेंटेनेंस की है और उन्हें प्रदूषण न फैलाने के बावजूद सजा दी जा रही है। निस्संदेह, पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखना हर नागरिक का दायित्व है, लेकिन इस संवेदनशील मुद्दे को वाहन स्वामियों के नजरिये से भी देखा जाना चाहिए। यह भी मानकर चलना चाहिए कि इस फैसले के क्रियान्वयन से नये वाहन खरीदने पर मध्यम व निम्न वर्ग पर आर्थिक बोझ पड़ेगा।

भाई! हो सके तो बचपन बचा लो

वे बच्चे अब नहीं रहे जो पूछा करते थे कि चांद पर कौन रहता है? अब पूछते हैं कि बाबा! एलन मस्क चांद पे कॉलोनी कब बनायेंगे? अब बच्चे खुद कहते हैं– मम्मी मैं बच्चा नहीं हूं। बचपन अब बस्ता नहीं ढोता, ब्रांड ढोता है। गिल्ली–डंडा खेलना, पतंग उड़ाना, गुल्लक सहेजना, गुड्डे–गुड़िया की बारात सजाना बचपन लगता हो गया है। वो लट्टू घुमाना, बरसात में कागज की नाव चलाना, नाक पोंछना, लुका–छिपी खेलना बचपन कहां खो गया है? अब वह किसी गली–कूचे में स्कूल की छुट्टी के बाद बिना ब्रेक साइकिल चलाते हुए, बड़ों की डांट खाते हुए नहीं मिलता। आजकल का बचपन तो इंस्टाग्राम पर रील बनाता है, बर्थडे पर केक नहीं, थीम पार्टी चाहता है। उसकी गेंद, चिड़ी–बल्ले, गुड्डे–गुड़िया आदि खिलौनों को मोबाइल निगल गया है। स्मार्टफोन ने बचपन को एक स्क्रीन में समेट दिया है। अब उन्हें ककहरा नहीं कोडिंग सिखाई जाती है। कोचिंग सेंटर ऐसे हैं जो तीसरी कक्षा से ही उसे इंजीनियर–डॉक्टर बनाने का धंधा चालू करे बैठे हैं। पैरेंट्स ऐसे हैं कि हमारा बच्चा पीछे न रह जाये सोचने में यह ध्यान रखना भूल रहे हैं कि वह आगे क्या खो रहा है। कभी बचपन का मतलब था घुटनों और कोहनियों पर लगे छाले, जेब में कंचे, मुट्ठी में गिट्टे और बालों में धूल। अब बचपन है– सोफे पर बैठा बच्चा, हाथ में मोबाइल या टैबलेट और मुंह से निकलते शब्द कि वाईफाई स्लो है। अब बच्चे आगे बढ़ रहे हैं पर दौड़ते नहीं। पेड़ों पर चढ़ आम–जामुन तोड़ने वाला बचपन अब ऑनलाइन शॉपिंग में अपने लिये ब्रांडेड कच्छे–बनियान आर्डर कर रहा है। वह भी बचपन था जब रोते बच्चे को टॉफी–गोली, चूर्ण, चवन्नी या गुब्बारा देकर भुला लिया जाता था। अब तो मोबाइल ही उसके आंसुओं का इलाज है। वो भी दिन थे जब गलियों में खेलते बच्चों को कान पकड़ कर घर लाया जाता था। अब प्रलोभन देकर बच्चों को खेलने के लिये जबरन भेजना पड़ता है। बच्चे मैदान में जाते हैं और अंतर्मन में यही चाहते हैं कि उनका स्क्रीन टाइम बढ़ा दिया जाये। कोडिंग क्लास, गिटार–पियानो और फ्रेंच–स्पेनिश ट्यूशन सब उसे एक ही दिन में मैनेज करना पड़ रहा है। इसके अलावा कभी टेनिस अकेडमी कभी बेडमिंटन क्लब जाने का दबाव। अब उसके पास बस टाइम टेबल है, फ्री टाइम नहीं है। वे बच्चे अब नहीं रहे जो पूछा करते थे कि चांद पर कौन रहता है? अब पूछते हैं कि बाबा! एलन मस्क चांद पे कॉलोनी कब बनायेंगे? अब बच्चे खुद कहते हैं– मम्मी मैं बच्चा नहीं हूं। यह सब देख–सुन कर तो बड़े–बूढ़े एक ही नसीहत दे रहे हैं कि हो सके तो बचपन बचा लो।

प्रतिशोध की राजनीति और चुनावी अस्थिरता

वाशिंगटन, जिसने यूनुस के उदय को चुपचाप समर्थन दिया था, इस कदम से संतुष्ट नहीं है। अमेरिकी नीति निर्माताओं का मानना है कि यह कदम बांग्लादेश के संक्रमणकाल को अनावश्यक रूप से जटिल बना सकता है और यूनुस सरकार पर घरेलू स्तर पर अधिक दबाव डाल सकता है। इस असहमति ने भारत–अमेरिका संवाद में हल्की खटास पैदा कर दी है। हालांकि, सार्वजनिक बयानों में दोनों देश...

आज बांग्लादेश आर्थिक दबाव, युवाओं के गुस्से, राजनीतिक अविश्वास, भू–राजनीतिक अनिश्चितता और पड़ोसी भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बीच खड़ा है। यूनुस ने कुछ सुधारों की शुरुआत की, लेकिन आईएमएफ–समर्थित कठोर नीतियों और धीमी राजनीतिक संवाद प्रक्रिया ने हालात को स्थिर होने के बजाय और जटिल बना दिया है। आठ अगस्त 2024 को, जब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया, तब देश की बिखरी हुई संस्थाओं और हिंसक सड़कों के बीच यह एक ऐतिहासिक प्रयोग था। सेना और नागरिक समाज दोनों ने उम्मीद जताई कि उनकी नैतिक छवि और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा राजनीति के दलदल से देश को बाहर निकाल पाएगी। लेकिन एक साल बाद, तस्वीर उम्मीद से कहीं अधिक धुंधली और तनावपूर्ण हो गई है। आज बांग्लादेश आर्थिक दबाव, युवाओं के गुस्से, राजनीतिक अविश्वास, भू–राजनीतिक अनिश्चितता और पड़ोसी भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बीच खड़ा है। यूनुस ने कुछ सुधारों की शुरुआत की, लेकिन आईएमएफ–समर्थित कठोर नीतियों और धीमी राजनीतिक संवाद प्रक्रिया ने हालात को स्थिर होने के बजाय और जटिल बना दिया है। यूनुस सरकार का सबसे बड़ा दांव आईएमएफ पैकेज रहा, जिसने मुद्रा को स्थिर करने में मदद की। लेकिन इसकी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही है–सब्सिडी में कटौती, ईंधन और खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि, और रोजगार के अवसरों में ठहराव के रूप में। वस्त्र–पोशाक निर्यात क्षेत्र, जो बांग्लादेश

की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वैश्विक मांग में उतार–चढ़ाव और घरेलू श्रमिक अशांति से जूझ रहा है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यूनुस ने राजकोषीय अनुशासन लागू करने में तो सख्ती दिखाई, लेकिन रोजगार सृजन और छोटे उद्योगों के पुनर्जीवन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि महंगाई कम होने के बावजूद जनता को राहत का अहसास नहीं हो रहा। ग्रामीण इलाकों में कृषि लागत बढ़ गई है और शहरी क्षेत्रों में रोजगार संकट गहराता जा रहा है, जिससे आर्थिक असंतोष और बढ़ गया है। शुरुआत में यूनुस का सबसे बड़ा सामाजिक पूंजी बैंक युवा वर्ग था, जिसने बदलाव की उम्मीद में उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया था। लेकिन एक साल बाद, बेरोजगारी और अवसरों की कमी के कारण वही युवा सड़क पर हैं। विश्वविद्यालय परिसरों से लेकर ढाका की सड़कों तक, छात्र संगठनों ने सरकार की नीतियों पर खुलकर नाराजगी जताई है। कई विरोध प्रदर्शन हिंसक हो चुके हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और अस्थिर हो गया है। युवाओं की यह अधीरता अगर चुनावी वर्ष में हिंसा में बदल गई तो न केवल यूनुस की साख, बल्कि पूरे संक्रमणकालीन लोकतांत्रिक प्रयोग को भी गंभीर खतरा हो सकता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि युवाओं का यह गुस्सा सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से फैल रहा है और इसकी क्षमता है कि यह 2026 के चुनाव को प्रभावित कर सकता है। भारत ने चुनावी उथल–पुथल के बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण देकर एक मानवीय और रणनीतिक फैसला लिया, लेकिन इसका असर बांग्लादेश की घरेलू राजनीति पर उल्टा पड़ा। आम बांग्लादेशी, जो हसीना को एक सत्तावादी और अलोकप्रिय नेता मानते हैं, इस कदम को स्वीकार नहीं कर सके। यूनुस ने सार्वजनिक रूप से भारत के इस निर्णय की आलोचना तो नहीं की, लेकिन उनके हालिया कदमकुवीन के साथ नजदीकी, निवेश परियोजनाओं पर नई वार्ता और बीजिंग समर्थित ढांचागत योजनाओं को प्राथमिकता ने संकेत दिया है कि वे एक नई कूटनीतिक धुरी स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। इस रणनीति ने भारत–बांग्लादेश संबंधों में ठंडापन बढ़ा दिया है। नई दिल्ली सतर्क है, जबकि ढाका में यह धारणा बनने लगी है कि यूनुस भारत से दूरी बनाए रखते हुए चीन के पाले में अधिक सहज हैं। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के पर्दे के पीछे अमेरिका की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वाशिंगटन ने लंबे समय से शेख हसीना के शासन से असंतोष जताया था और सत्ता से उनके हटने की प्रक्रिया को परोक्ष रूप से समर्थन दिया। अमेरिकी रणनीति का मुख्य लक्ष्य बांग्लादेश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना और चीन के बढ़ते प्रभाव को सीमित करना था। लेकिन भारत द्वारा हसीना को शरण देने के फैसले ने इस समीकरण में अप्रत्याशित मोड़ ला दिया। वाशिंगटन, जिसने यूनुस के उदय को चुपचाप समर्थन दिया था, इस कदम से संतुष्ट नहीं है। अमेरिकी नीति निर्माताओं का मानना है कि यह कदम बांग्लादेश के संक्रमणकाल को अनावश्यक रूप से जटिल बना सकता है और यूनुस सरकार पर घरेलू स्तर पर अधिक दबाव डाल सकता है। इस असहमति ने भारत–अमेरिका संवाद में हल्की खटास पैदा कर दी है। हालांकि, सार्वजनिक बयानों में दोनों देश इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन कूटनीतिक गलियारों में यह स्पष्ट है कि वाशिंगटन और नई दिल्ली इस बात पर एकमत नहीं हैं कि हसीना को शरण देना दीर्घकालीन दृष्टि से सही था या नहीं।

बायोमेट्रिक वोटर कार्ड में विवादों का हल

ऐसा भी नहीं, कि दुनिया के सारे देश बायोमेट्रिक स्वीकार कर लें। कुछ देशों में बायोमेट्रिक डाटा, सांस्कृतिक मान्यताओं और प्रथाओं का उल्लंघन कर सकता है। मसलन, पापुआ न्यू गिनी में, मतदाता के बारे में इतनी डिटेल जानकारी होती है, जिसके दुरुपयोग का खतरा बना रहता है। बायोमेट्रिक के बारे में नकारात्मक अफवाहें भी फैलती हैं। सवाल उठता है, कि क्या दुष्ट...

पिछले एक दशक में बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाजी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। बीवीआर मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके। पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया, मैं घूमने नहीं, बच्चियों का जबरन खतना किये जाने पर रिपोर्टिंग के लिए गया था। गाम्बिया मेनलैंड अफ्रीका का सबसे छोटा देश है। इसकी उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी सीमा सेनेगल से मिलती है। लगभग 28 लाख की आबादी वाले इस देश की एक–तिहाई जनसंख्या अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे रहती है। दिलो–दिमाग में बैठा हुआ था, कि यह अफ्रीकी देश काफी पिछड़ा हुआ होगा। लेकिन यह भ्रम वहां की पत्रकार फातो कमारा से मिलने के बाद टूट गया। उन्हीं से जानकारी मिली कि गाम्बिया दुनिया का पहला देश है जहां मतदाताओं के लिए बायोमेट्रिक कार्ड 2009 में इस्यू किया गया था। सितम्बर, 2010 में भारत ने आधार कार्ड जारी किया था, जिसे वोटर कार्ड से भी पहचान के वास्ते जोड़ा जाने लगा। लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। चुनाव आयोग ने नागरिकों के लिए अपने आधार नंबर को अपने मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनावी फोटो पहचान पत्र या ईपीआईसी भी कहा जाता है) से जोड़ना स्वैच्छिक बना दिया है। मतदाताओं को अपने कार्ड लिंक करते समय आधार प्रमाणीकरण के लिए अपनी सहमति फॉर्म 6–बी में देना आवश्यक है। एक बार सहमति दे देने के बाद उसे वापस लेने का कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है, कि आधार कार्ड होना नागरिकता का प्रमाणीकरण नहीं है। पूरा देश जिस तरह नागरिकता को लेकर बहस में उलझा है, वह भारत में वोटर पहचानपत्र की वैधता पर सवाल खड़ा करता है। क्या भारत में जारी वोटर आई कार्ड दोषपूर्ण है? और यदि है, तो उसे कैसे दुरुस्त किया जा सकता है? कई देश नागरिकता या उससे संबंधित पहचान के उद्देश्यों के लिए

बायोमेट्रिक कार्ड का उपयोग करते हैं। अल्बानिया, ब्राजील, नीदरलैंड और सऊदी अरब ऐसे मुल्क हैं जिनके राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र यात्रा दस्तावेजों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानक का पूरी तरह से अनुपालन करते हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्दर्न आइसलैंड और लिश्टेंस्टाइन जैसे देश, यूरोपीय संघ के मानकों का पालन करने वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करते हैं। कुछ देश अपनी व्यापक राष्ट्रीय पहचान प्रणालियों में बायोमेट्रिक्स का उपयोग करते हैं जिन्हें नागरिकता या उनकी रिहाइश से जोड़ा जा सकता है। यूरोपीय संघ के सदस्य देश बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करने के लिए बाध्य हैं और इन्हें आमतौर पर ईयू और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के भीतर वैध यात्रा दस्तावेजों के रूप में स्वीकार किया जाता है। यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) के सदस्य देशों जिनमें नॉर्वे आइसलैंड और ऑस्ट्रिया व स्विट्जरलैंड के बीच छोटा सा देश लिश्टेंस्टाइन शामिल है, उन्हें भी यूरोपीय संघ के नियमों के अनुरूप बायोमेट्रिक पहचान पत्र जारी करना आवश्यक है। कई देशों ने अनिवार्य राष्ट्रीय पहचान प्रणालियां लागू की हैं जिनमें अक्सर विभिन्न पहचान उद्देश्यों के लिए बायोमेट्रिक डेटा, जैसे उंगलियों के निशान या चेहरे की पहचान, शामिल होता है। इनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, कोलंबिया, जर्मनी, इटली, पेरू और स्पेन जैसे देश शामिल हैं। अल्बानिया, ब्राजील, नीदरलैंड, सऊदी अरब के राष्ट्रीय बायोमेट्रिक पहचान पत्र, यात्रा दस्तावेज माने जाते हैं। पश्चिमी अफ्रीकी देश गाम्बिया ने बायोमेट्रिक पहचान पत्र, 'गैम्बीस', लागू किए हैं जो यात्रा के साथ निवास परमिट भी है। तंजानिया भी, गाम्बिया की तरह चुनावों के लिए बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण को फुलप्रूफ मानता है। पोलैंड अपनी राष्ट्रीय पहचान प्रणाली में फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है। भारत केवल आधार प्रमाणीकरण के लिए बायोमेट्रिक्स का उपयोग करता है, जो बैंकों, कोर्ट और विभिन्न उपक्रमों में केवाईसी या रजिस्ट्रेशन के काम आते हैं। राष्ट्रमंडल पर्यवेक्षक समूह ने सिफारिश की है कि राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) जैसी फोटो पहचान प्रक्रिया का उपयोग मतदाता सूची की सटीकता में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है और चुनाव में जन विश्वास बढ़ा सकता है। पिछले एक दशक में बायोमेट्रिक मतदाता पंजीकरण (बीवीआर) जैसी तकनीक जटिल चुनावी चुनौतियों और जालसाजी का सामना करने के लिए रामबाण साबित हुई है। बीवीआर मतदाता की विशिष्ट शारीरिक विशेषताओं का विश्लेषण करता है, ताकि उनकी पहचान और मतदान के लिए उनकी पात्रता की पुष्टि की जा सके। यह तकनीक किसी व्यक्ति की पहचान की चोरी, एक से अधिक मतदान, धोखाधड़ी, और हेरफेर के अन्य तरीकों को टारगेट करती है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है आंखों की बायोमेट्रिक। आंखों की रेटिना में हेराफेरी अब तक किसी तकनीक के जरिये सम्भव नहीं हुआ है। बायोमेट्रिक तकनीक में व्यवहार संबंधी विशेषताओं का भी विश्लेषण, व्यक्ति की आवाज, की–स्ट्रोक या हस्तलेखन शामिल हैं। अक्सर, स्कैन किए गए हस्ताक्षर मतदाता की बायोमेट्रिक प्रोफाइल का हिस्सा होते हैं। सभी बायोमेट्रिक डेटा को पहले एक कैमरे या सेंसर द्वारा एक छवि के रूप में कैप्चर किया जाता है। फिर छवि को एक बायोमेट्रिक टेम्पलेट के जरिये डेटाबेस में संग्रहीत किया जाता है। इसे प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदाता पहचान पत्र में जोड़ा जा सकता है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के अनुसार, सर्वेक्षण किए गए 130 देशों में से 26 प्रतिशत देश मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की पहचान के लिए बायोमेट्रिक जानकारी का उपयोग करते हैं। कई मामलों में मैन्युअल सत्यापन शामिल होता है। जैसे कि एक मतदानकर्मी मतदाता सूची में किसी मतदाता की तस्वीर के आधार पर उसकी उपस्थिति की जांच करता है।

ट्रंप ने कराया सनी लियोनी का झगड़ा? खुलासे से अमेरिका दंग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो खुद को सबसे ज्यादा ताकतवर मानते है खुद को सबसे अक्लमंद समझते हैं। सोचते है कि वो शांति के मसीहा हैं। लेकिन अमेरिका का तो पुराना इतिहास रहा है कि दो देशो को लड़ाओ और शांति दूत बनकर मामला सुलझाओ। शायद ऐसा ही ट्रंप पिछले कुछ वक्त से करने की कोशिश में लगे हैं। भारत पाकिस्तान के मुद्दे पर शांति का मसीहा बनने का ख्वाब तो हिंदुस्तान ने चकनाचूर कर दिया। बौखलाहट में भारत पर रूस का बहाना बनाकर 50 प्रतिशत का टैरिफ बम भी फोड़ दिया। इसके अलावा ट्रंप के नाम बार बार यू–टर्न लेने का खिताब भी जुड़ गया है। अपने बयान से पलटने का उनका पुराना इतिहास रहा है। भारत और अमेरिका के बीच के टैरिफ विवाद के बीच हिंदुस्तान में जहां ट्रंप को लेकर नाराजगी है, वहीं ट्रंप के खुद के देश में भी आलोचना हो रही है। इसी बीच सनी लियोनी ने बीबीसी से बातचीत के दौरान ट्रंप को लेकर पूछे गए सवाल पर विस्तार से अपनी राय रखी है। जब एंकर ने सनी लियोनी से ट्रंप को लेकर सवाल पूछा तो पहले तो सनी ने कहा कि ये तो बड़ा टफ सवाल आपने पूछ लिया। फिर उन्होंने कहा कि मैंने उनके खिलाफ कैलिफोर्निया ने माहौल बनते देखा है। सोचिए कि हम अपने घर में गेट टूगेदर करने से बचते थे। ताकी वहां आकर अगर उनका जिक्र छिड़ गया तो फिर हम दोस्तो में लड़ाई छिड़ जाएगी। पर हम ऐसा नहीं चाहते थे। सनी लियोनी ने कहा कि मेरी राय उनके बारे में मिलती –जुलती है। दरअसल, ये एक बहुत मुश्किल सवाल है क्योंकि मैंने उनके खिलाफ बहुत जबरदस्त एंटी माहौल देखा है। कोविड के दौरान कैलिफोर्निया में मेरे घर में एक नियम था। सनी लियोनी ने बताया कि कि दोस्तो के साथ राजनीति की बात नहीं होगी, क्योंकि इससे दोस्ती खतरे में पड़ सकती थी। बात ट्रंप की करूं तो देखिये या तो लोग उनसे नफरत करते हैं या बहुत पसंद करते हैं, बीच में कुछ नहीं है। फिर सनी लियोनी ने कहा कि ट्रंप की कुछ बातें मुझे पसंद हैं, लेकिन कुछ ऐसी है कि मैं सोचती हूं। हे भगवान, अब बोलना बंद करो। मैं चाहती हूं कि लोग अपने चुने हुए नेता को प्यार करें। सनी लियोनी का ये बयान सामने आया जिसमें उन्होंने ये भी कहा कि कुछ मुद्दों पर ट्रंप की नीतियां मुझे सही लगती हैं, जबकि कुछ समझ से परे है। मैं उस बीच वाले इंसान की तरह हूं जो चाहता है कि हम उस इंसान को प्यार करें जिसे हमने चुना है। अमेरिका में लंबे वक्त तक रहने वाली और वहां कि एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली सनी लियोनी जब भारत आईं और भारत में ही वो सेटल हो चुकी हैं। ट्रंप को लेकर उनका ये बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

फ्रांस ने अपने ऐलान से पाकिस्तान में मचा दी भगदड़, भारत खुश तो बहुत होगा आज

हमने राफेल गिराए, हमने राफेल गिराए हमने राफेल गिराए ..ये सुन–सुनकर पूरी दुनिया के कान पक गए। लेकिन पाकिस्तान ने आज तक ये नहीं बताया कि कहां गिराए और कैसे गिराए और कब गिराए। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम को करीब–करीब दो महीने बीत चुके हैं। लेकिन पाकिस्तान ने राफेल को लेकर दुनियाभर में अफवाह फैलाई पाकिस्तान झूठ की हांडी पका रहा है और उसका सदाबहार दोस्त चीन इससे मुनाफा कमा रहा है। इसका खुलासा फ्रांस की खुफिया एजेंसियों ने किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने सुनियोजित तरीके से राफेल को लेकर अफवाह फैलाई। इसके लिए चीनी एंबेसी और पाकिस्तानी दूतावास का इस्तेमाल किया गया। अफवाह फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर एक हजार फर्जी अकाउंट बनाए गए। पाकिस्तानी पत्रकार ने खुद खुलासा करते हुए कहा कि उनका मकसद है कि राफेल जहाज के खरीदारों को इसे खरीदने से दूर रखा जाए और ये बात साबित की जाए चीनी की फाइटर जेट फ्रेंच फाइटर जेट से टेक्नोलॉजिकली बेहतर है। इस कदम से फ्रेंच ऑफिसर्स काफी नाराज हैं। उनका कहना है कि भारत पाकिस्तान के बीच जंग हुई तो उस दौरान कोई 1000 नए सोशल मीडिया अकाउंट बनाए गए और इन अकाउंट्स के जरिए राफेल जहाज के खिलाफ प्रोपेगेंडा किया गया। जिससे इन जहाजों की जहाजों की टेक्नोलॉजिकल सुप्रीमेसी को छोटा साबित किया जाए। अब सवाल ये उठता है कि राफेल को बदनाम करके चीन और पाकिस्तान को भला क्या फायदा होने वाला था। इसकी वजह चीन का कबाड़ फाइटर जेट जे 10सी है। दरअसल, जे 10सी चीन का वो अव्वल दर्जे का घटिया फाइटर जेट है जिसे चीन पिछले पांच साल से तैयार करके बैठा है। मगर इसके लिए ग्राहक ढूंढने पर भी नहीं मिल रहे हैं। कर्जा वापसी की धमकी देकर उसने पाकिस्तान को जैसे तैसे 100 फाइटर जेट बेचने की कोशिश की थी। मगर पाकिस्तान भी 36 से ज्यादा जे10सी नहीं खरीद पाया। लिहाजा 100 में से 64 जे10सी अब भी चीन के गोदाम में जंग खा रहे हैं। लिहाजा इन विमानों को ठिकाने लगाने के लिए चीन ने पाकिस्तान के साथ मिलकर साजिश रची और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमान को मार गिराने की अफवाह फैला दी। मतलब चाइनिज आका की तरफ से जो फरमान आया कर्ज के बोझ तले पाकिस्तान ने वही गाना गाया।

बता दें कि राफेल बनाने वाली फ्रेंच कंपनी दसाल्ट एविएशन ने आज तक 533 राफेल बनाए हैं। जिनमें से 323 निर्यात किए गए हैं। ये भारत, मिस्र, कतर, ग्रीस, क्रोएशिया, यूएई, सर्बिया ने इसे खरीदा है। इंडोनेशिया ने भी हाल ही में 42 राफेल के लिए डील की है। बेशक फ्रांस की खुफिया एजेंसी ने चीन–पाकिस्तान की साजिश का भंडाफोड़ कर दिया है।

बीजिंग ने ट्रंप के जहाज को खदेड़ दिया, बीच समुंदर जब भिड़ी US-China की सेना, जानें क्या हुआ?

एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वॉर कई देशों में हड़कंप मचा रहा है तो दूसरी तरफ चीन और अमेरिका के बीच दक्षिण चीन सागर में एक युद्ध शुरू हो गया है। दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और चीन एक बार फिर आमने सामने आ गए हैं और टकराव की स्थिति देखने को मिली है। चीनी सेना का दावा है कि उसने स्कारबोरोशोल के पास गश्त करते एक अमेरिकी विध्वंसक युद्धपोत को निगरानी में लिया और खदेड़ दिया। चीन ने कहा है कि अमेरिका की ये कार्रवाई चीन की संप्रभुता और सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन है। दक्षिण चीन सागर में शांति और स्थिरता को ये गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाती है। चीनी की साउथ चाइना सी में दोनों देश आमन सामने आ गए हैं। अमेरिकी नौसेना ने अपनी तैनाती को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप बताया। अमेरिका ने कहा कि ये नैविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए की गई थी, लेकिन चीन के द्वारा कदम उठाते हुए उन्हें खदेड़ दिया गया।

अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर के विवादित तटवर्ती क्षेत्र में दो युद्धपोत तैनात किए थे। जहां दो दिन पहले फिलीपीन के छोटे जहाज को भगाने के प्रयास के दौरान चीनी नौसेना और तट रक्षक बल के दो जहाज आपस में टकरा गए थे। इस घटना के सामने आने के बाद कई पश्चिमी और एशियाई देशों में चिंता पैदा हो गई थी। कहा जा रहा है कि अब एक बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। चीन और फिलीपीन दोनों ही दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो शोल और अन्य बाहरी क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं। ऐसे में वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस विवादित जलक्षेत्र पर अपने–अपने दावे करते आए हैं। लेकिन इस क्षेत्र का 80 फीसदी इलाका चीन अपना मानता है। यही वजह है कि जब अमेरिका के युद्धपोत वहां देखे गए तो चीन की सेना की तरफ से तुरंत प्रहार किया गया।

चीन की तरफ से दावा ये किया जा रहा है कि अमेरिकी युद्धपोतों को वहां से खदेड़ दिया गया। 12 अगस्त को फिलीपींस की एक गश्ती नाव का पीछा करते हुए एक चीनी युद्धपोत अपने ही एक तटरक्षक पोत से टकरा गया था। चीन अपनी नाइन–डैश–लाइन के तहत लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जो नीदरलैंड की एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत के 2016 के उस फैसले को खारिज करता है जिसमें बीजिंग के दावों का कोई कानूनी या ऐतिहासिक आधार नहीं पाया गया था। दक्षिण चीन सागर में चीनी और फिलिपिनो जहाजों के बीच कई झड़पें हुई हैं, फिलीपींस ने पिछले साल बीजिंग की सेना पर फिलीपींस के जहाजों का पीछा करने और एक अन्य विवादित चट्टान के पास गश्त कर रहे विमानों पर लेजर दागने का आरोप लगाया था।

फिलिपीनो अधिकारियों के अनुसार, झड़पों में नावों की टक्कर, पानी की बौछारें और फिलिपीनो नाविकों के घायल होने की घटनाएँ शामिल हैं। मई 2024 में फिलिपीनी राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा था कि अगर दक्षिण चीन सागर में चीनी तटरक्षक बल के साथ किसी घटना में किसी फिलिपीनी नागरिक की मौत हो जाती है, तो यह लगभग निश्चित रूप से एक रेड लाइन होगी और युद्ध की कार्रवाई के बहुत, बहुत करीब होगी। उन्होंने अमेरिकी सेनाओं का जिक्र करते हुए कहा, मेरा मानना है कि हमारे संधि साझेदार भी इसी मानक को मानते हैं। वाशिंगटन की मनीला के साथ 1951 से एक पारस्परिक रक्षा संधि है, जिसके अनुसार प्रशांत क्षेत्र में फिलिपींस या अमेरिका पर हमला दूसरे पर हमला माना जाएगा।

सांसद ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर अभिलेखों की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन कर किया अवलोकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत विभाजन दिनांक 14 अगस्त 1947 की स्मृति में गुरुवार को विभाजन विभीषिका दिवस 14 अगस्त 2025

को मनाया जा रहा है। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप मनाये जाने के क्रम में विकास भवन में लगायी गई अभिलेखों की चित्र प्रदर्शनी उद्घाटन सांसद जगदम्बिका पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा फीता काटकर किया। इस दौरान प्रदर्शनी में 1947 के देश विभाजन से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज और चित्र प्रदर्शित किये गये। इन चित्रों में लाखों लोगों के विस्थापन और उस समय की परिस्थितियों को दर्शाया गया। सांसद जगदम्बिका पाल ने बताया कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने विभाजन के दौरान टूटे परिवारों की याद दिलाई। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में तिरंगा यात्रा का आयोजन भी किया गया। उन्होंने लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने और इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार विभाजन विभीषिका दिवस का आयोजन किया गया है। तिरंगा यात्रा निकाला गया। सभी लोग अपने घरों पर तिरंगा झण्डा फहरायें और सेल्फी अपलोड करें। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा लालजी त्रिपाठी, पीडी नगेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, डीडीओ सतीश सिंह, डीपीआरओ पाचस्पति झा, जिला समाज कल्याण अधिकारी एसपी सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज अग्रवाल व अन्य जनप्रतिनिधिगण, विकास भवन के अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहें।

स्वतंत्रता दिवस पर डीआईजी के साथ आईजी ने सीमा क्षेत्र का किया निरीक्षण, एसपी भी रहें साथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के कस्बा अलीगढ़वा में गुरुवार को आईजी जोन गोरखपुर मुथा अशोक जैन, डीआईजी संजीव त्यागी निरीक्षण में पहुंचकर जायजा लिया। स्वतंत्रता दिवस पर सीमा पर तैनात जवानों को पैनी नजर रखते हुए निगरानी की बात कहीं। कस्बा अलीगढ़वा के बारे में जानकारी सीमा पर बन रहे मुख्य द्वार को देखा, जानकारी भी हासिल किये। तत्पश्चात वह नेपाल सीमा में प्रवेश कर वहां ड्यूटी पर तैनात नेपाली प्रहरी से हाथ मिलकर स्वतंत्रता की अग्रिम शुभकामनाएं दिये। साथ ही नेपाल में कितने भाषाई के लोग रहते है तथा वहां की कुल कितनी आबादी है। सीमाई क्षेत्र में कौन–कौन लोग निवास करते है। उनसे जानकारी लिए नेपाल में कुल कितने प्रदेश है तथा लुंबिनी प्रदेश में कितने जिले है, जानकारी प्राप्त किये। नो–मैन्स लैण्ड के बारे में सीमा सशस्त्र सीमा के कमाण्डेंट उज्जवल दत्ता से वार्ता किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन, एम जिला अधिकारी सदर कल्याण सिंह मौर्य, सीओ शोहरतगढ़ प्रवीन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद, सहायक कमाण्डेंट अशीष यादव, कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व नेपाल सीमा के प्रहरी मौजूद रहें।

विभा का राष्ट्रीय हॉकी में शानदार प्रदर्शन

देवरिया। हॉकी खिलाड़ी विभा ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। स्पोर्ट्स स्टेडियम में हॉकी प्रशिक्षक शकील अहमद की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही विभा ने एक से 12 अगस्त तक आंध्र प्रदेश में आयोजित 15वीं राष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम की ओर से खेलते हुए टीम को तृतीय स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभा उत्तर प्रदेश की टीम में सेंटर हाफ की खिलाड़ी है। पूरे टूर्नामेंट में उनके उत्कृष्ट खेल, तेज पासिंग, सटीक ड्रिब्लिंग और टीम को संयोजित करने की क्षमता ने उत्तर प्रदेश को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। निर्णायक मुकाबलों में उनके रणनीतिक खेल और अटूट जज्बे की सभी ने सराहना की। विभा की इस उपलब्धि पर जिले भर में खुशी की लहर है। जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव, देवरिया हॉकी के अध्यक्ष संजय केडिया, सचिव अकरम सिद्दीकी, प्रशिक्षक शकील अहमद, गिरीश सिंह, प्रवीण कुमार, शालिनी शर्मा, पूजा सिंह, लाल यादव, अवधेश यादव, विजय कुमार पाल सहित खेल जगत के कई लोगों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि विभा जैसी खिलाड़ी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण ने साबित कर दिया कि छोटे शहरों से भी बड़े स्तर पर सफलता हासिल की जा सकती है। विभा ने सफलता का श्रेय प्रशिक्षकों और परिवार को देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

फीडर बंद होने से नाराज लोगों ने उपकेंद्र पर किया हंगामा

देवरिया। तकनीकी खराबी आने के चलते दोपहर से बरठा फीडर बंद है। इसके अलावा धनौती राय और नगर के सेंट जेवियर रोड को बिजली आपूर्ति देने वाले ट्रांसफार्मर जल चुके हैं। दोपहर तक जब बिजली आपूर्ति नहीं मिली तो उपभोक्ता नाराज होकर विद्युत उपकेंद्र सलेमपुर पर पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए तत्काल ट्रांसफार्मर लगवाने और बरठा फीडर चालू करने की मांग शुरू कर दी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए। नगर के उपभोक्ताओं को आए दिन बिजली की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर बरठा फीडर में तकनीकी खराबी आने के चलते करीब 50 गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि, कर्मचारी दोपहर तक दुरुस्त करने का प्रयास करते रहे, मगर सफलता नहीं मिल सकी। उधर, धनौती राय में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर ओवरलोड के चलते आए दिन जल जा रहा है। गांव के विजय गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने दोपहर में उपकेंद्र पर प्रदर्शन किया। अधिकारियों के आश्वासन पर आक्रोशित लोग शांत हुए और घर लौट गए। इसके अलावा सेंट जेवियर रोड पर लगा 400 केवीए का ट्रांसफार्मर भी जल गया है। उपभोक्ताओं ने सेंट जेवियर स्कूल के पास एसडीओ और जेई को रोककर लोड कम करने के लिए एक और नए ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की।

भारत की आन–बान–शान है तिरंगा– जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत संपूर्ण उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के नेतृत्व में सभी विधानसभा क्षेत्रों के सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा शोहरतगढ़ के मंडल चिल्हिया में चिल्हिया चौराहे से शोहरतगढ़ मंडल अध्यक्ष रमेश मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में तथा पकड़ी मंडल में मंडल अध्यक्ष अरविंद चौधरी की अध्यक्षता में छतहरी से पकड़ी तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। लगभग 12 किमी की दूरी तय करके भव्य तिरंगा यात्रा चिल्हिया कट्या, गौहनिया चौराहा, परसिया, छतहरी, नकथर होते हुए पकड़ी चौराहे पर पहुंची। तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय, वंदे मातरम् आदि के गगन चुम्बी नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रमय हो गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदम्बिका पाल ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा भारत की समृद्धि, सामर्थ्य और सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वाहन पर हर– घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित तिरंगा यात्रा के माध्यम से भाजपा जन–जन में राष्ट्र भक्ति का भाव बढ़ाने का अभियान चला रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वाहन पर आज देश की जनता इस उत्सव को पूरे उमंग व उत्साह से मनाती है और देश के एक– एक घर पर तिरंगा लहराता है। सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा है हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं। निश्चित ही हमारी सरकार मोदी जी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास कर रही है। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी उर्फ लाल बाबा, शोहरतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष बढ़नी सुनील अग्रहरी, धनंजय सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष पवन मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा, कुलदीप द्विवेदी कार्यक्रम के संयोजक पद्माकर शुक्ला, मनोज सिंह बृजेंद्र मनोज सिंह, राधे बाबा, सतीश सिंह, मिथुन चौहान, गोविंद चौहान, पहलवान बाबा नीरज सिंह, मुन्ना गौण, इरीश, अनिल अग्रहरी पहलवान बाबा, कौशलेंद्र त्रिपाठी, पहलवान बाबा, नर्वदेश्वर मणि आदि उपस्थित रहे।

अब डेस्क और फोम के गद्दे पर बैठकर पढ़ेंगे बच्चे

देवरिया। आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को भी बेहतर माहौल में पढ़ाई–लिखाई और सीखने का मौका मिलने जा रहा है। इन केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ने के लिए डेस्क और बैठने के लिए फोम के गद्दे मिलेंगे। जिले में 2220 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें करीब 1.67 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। इन बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार भी मिलता है। साथ ही, अक्षर ज्ञान और उठना–बैठना आदि सिखाया–पढ़ाया जाता है। बच्चों की मुश्किलों को दूर करने के लिए सरकार हर केंद्र पर 15 फोम के गद्दे देने जा रही है। बपुस्तक आदि रखकर पढ़ने–सीखने के लिए हर केंद्र पर पांच फोम के गद्दे दिए जाएंगे। इससे बच्चों को एक सुविधाजनक माहौल मिलेगा।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी के विश्वस्त सलाहकार, स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अब्दुल कय्यूम रहमानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। भारत देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी के विश्वस्त सलाहकार, इस्लामिक शिक्षा के क्षेत्र में विख्यात स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अब्दुल कय्यूम रहमानी थे। आपको बता दें कि मौलाना अब्दुल कय्यूम रहमानी का जन्म 10 जनवरी 1918 को दुधवनिया बुजुर्ग गांव में हुआ। वह देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के विश्वस्त सलाहकारों में से एक थे। इस्लामिक शिक्षा के क्षेत्र में मध्य पूर्व में भी उनकी ख्याति थी। उनका पारिवारिक संबंध मझौली राज देवरिया के महाराजा बुद्धमल से था। सखड़क बहादुर मल बिसेन ने बौद्ध मल उनका पारिवारिक सम्बन्ध मझौली राज देवरिया के महाराजा बुद्धमल से था। सखड़क बहादुर मल बिसेन ने बौद्ध मल को मझौली के 104वें राजा के रूप में दर्ज किया है। बौद्ध मल ने इस्लाम अपनाकर अपना नाम मोहम्मद सलीम रखा। देवरिया में सलेमपुर और रेलवे स्टेशन उन्हीं की याद में स्थापित किये गये। मौलाना ने प्राथमिक शिक्षा अपने गांव से ली। उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली गये। वहां रहमानिया स्कूल से इस्लामिक स्टडीज का अध्ययन किया। इसके बाद स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय हो गये। दिल्ली में कई प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों से उनका सम्पर्क रहा। 1942 में अपने गांव लौटने पर 22 मार्च को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पहले उन्हें बस्ती जेल में रखा गया। बाद में गोरखपुर और इलाहाबाद के नैनी जेल भेजा गया। 22 अगस्त 1942 से 22 मई 1943 तक वह नजरबन्द रहे। उनकी बैरक में लाल बहादुर शास्त्री, फिरोज गांधी और मौलाना हुसैन अहमद जैसे नेता भी थे।

काफी रोचक रहा डे एण्ड नाइट फाउण्डेशन के ज्वायफुल मैथमेटिक्स ऑनलाइन वेबिनार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इसरो के महान वैज्ञानिक रहे डॉ0 विक्रम साराभाई के जयन्ती अवसर पर इण्डिया स्पेस वीक के तहत डे एण्ड नाइट स्पेस फाउण्डेशन द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार कार्यक्रम के तीसरे दिन गुरुवार को ज्वायफुल मैथमेटिक्स पर विद्वानों ने जानकारी को साझा किया। वेबिनार सेशन काफी रोचक व ज्ञानवर्धक रहा। वेबिनार में विभिन्न राज्यों के गणितज्ञ, वैज्ञानिक, शिक्षक व विद्यार्थियों आदि ने जुड़कर लाभ उठाया। अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूकता और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित डे एण्ड नाइट स्पेस फाउण्डेशन, एक गैर–लाभकारी संगठन, के तत्वाधान में चल रहे अंतरिक्ष विज्ञान सप्ताह के तीसरे दिन मोटिवेशनल स्पीकर व मैथ गुरु डॉ0 बी0एन0 राव रेड्डी व चेयरमैन ऑल इण्डिया रामानुजन मैथ्स क्लब, डॉ0 चन्द्रमौली जोशी और खगोलविद एस्ट्रोनॉमी इंस्ट्रक्टर तारामण्डल गोरखपुर डॉ0 अमरपाल ने गणित से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बेहतर ढंग से जानकारी साझा किया। ऑनलाइन वेबिनार में शामिल हजारों लोगों ने गणित के महत्व और अंतरिक्ष विज्ञान व अंतरिक्ष यात्री के प्रशिक्षण आदि पर प्रेरणादायक विचार सुनकर लाभ उठाया। पूर्व वैज्ञानिक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जयन्तीलाल पी0 जोशी ने लोगों को अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन से जुड़ी तमाम प्रकार की चुनौतियों के बारे में गहन जानकारी दी और यह भी बताया कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए किन–किन शैक्षणिक मार्गों, कौशलों और मानसिक तैयारी की आवश्यकता होती है। डे एण्ड नाइट स्पेस फाउण्डेशन अपनी इस पहल के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान को छात्रों और आम जनता के करीब लाने और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के साथ ही भावी पीढ़ी को अंतरिक्ष खोज की दिशा में प्रेरित करने के अपने मिशन को निरन्तर आगे बढ़ा रहा है। इस वेबिनार में गुंजेश यादव (मुख्य संचालन अधिकारी, डे एण्ड नाइट स्पेस फाउण्डेशन) एवं इस्तिकार राज्य समन्वयक (बिहार), डे एण्ड नाइट स्पेस फाउण्डेशन और सुश्री सुष्मिता सिंह यवकी (स्पेस आर्टिस्ट) एवम् साथ ही अमर पाल सिंह (खगोलविद) तारामण्डल, गोरखपुर और मुस्कान शैकल्लाह, अमृतानन्द श्रीवास्तव, पर्व सोनी, महराज बेगम निगमा नन्द अग्रहरी, रामपाल पासवान, अभिषेक कुमार, दीपक लाल जी, अमरेश कुमार, पवन कुमार, मरूत पाण्डेय, कन्हैया चौधरी, भार्गव नाथ, सोवन आचार्य, प्रिया यादव, डॉ0 अनूप सिंह व राहुल व्यास आदि का विशेष सहयोग रहा।

ओम प्रकाश बनाम सरकार

बदस्त अयाम फरीक्त के लिए

सम्मन बगरज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 3, मजमुआ जाब्ता दिवानी सन् 1980 ई0)
वाद संख्या– डी2015176300208 व जिला सिद्धार्थनगर
बाअदालत अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सिद्धार्थनगर
ओम प्रकाश बनाम सरकार व अन्य
धारा 30 उ0प्र0रा0सं0 2006

सम्मन बनाम प्रतिवादीगण 1. लाल साहब पुत्र रामानन्द, 2. अशोक कुमार पुत्र रामानन्द, 3. नर्वेश्वर पुत्र रामानन्द, 4. रामकृपाल पुत्र बलिभद्र साकिन सेमरा, बनकसिया, तप्पा, बेनिया, परगना रसूलपुर, तहसील– डुमरियागंज, जिला– सिद्धार्थनगर, 5. जगलाल पुत्र मोहन, 6. असन प्रसाद पुत्र जगलाल, 7. हरिश्चन्द्र पुत्र जगलाल, 8. फूलचन्द्र पुत्र जगलाल, 9. चन्द्रराम पुत्र जगलाल, 10. छोटेलाल पुत्र जगलाल, 11. ध्रुव चन्द्र पुत्र जगलाल 5 से 11 साकिन बगहवा, पत्ता बेनिया, परगना रसूलपुर, तहसील– डुमरियागंज, जनपद– सिद्धार्थनगर उपरोक्त समस्त प्रतिवादी गण को वाजेह हो कि ओम प्रकाश आदि ने आपके नाम एक नालिश बाबत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 21 माह 08 सन् 2025 ई0 को हालत से कचहर वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल अमूर मुत्तालिका मुकदमा उपरोक्त का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शख्स हो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर होवें और जवाब देही दावा देवें और हरगाह वही तारीख 21/08/2025 जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इस इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है, पस आपको लाजिम है कि उसी रोज उसके कुल जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही में ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों उसी रोज पेश कीजिए, जिस तारीख को आपको उपस्थित होने का हुक्म दिया गया है। और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर 21/08/2025 को आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बरवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख 31 माह 07 सन् 2025 ई0 जारी किया गया।

न्यायालय अपर जिलाधिकारी
जिला– सिद्धार्थनगर

गुमशुदगी की तलाश

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सगा भाई रियाजुद्दीन उर्फ दारे थे जिनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था वह आज से लगभग 20 वर्ष पूर्व लापता हो गये थे। इनका कोई खोज खबर नहीं मिल रहा है।

जिनकी गुमशुदा की तलाश की सूचना प्रकाशित कराई जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को मेरे भाई के बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त हो तो निम्न पते पर सूचित करें।

महीबुद्दीन उर्फ महीउद्दीन उम्र करीब 49 वर्ष पुत्र स्व0 कल्लू, सा0ग्रा0– शिवपतिनगर, टोला– नरखोरिया, तप्पा घोष परगना व तहसील– नौगढ़, जिला–सिद्धार्थनगर

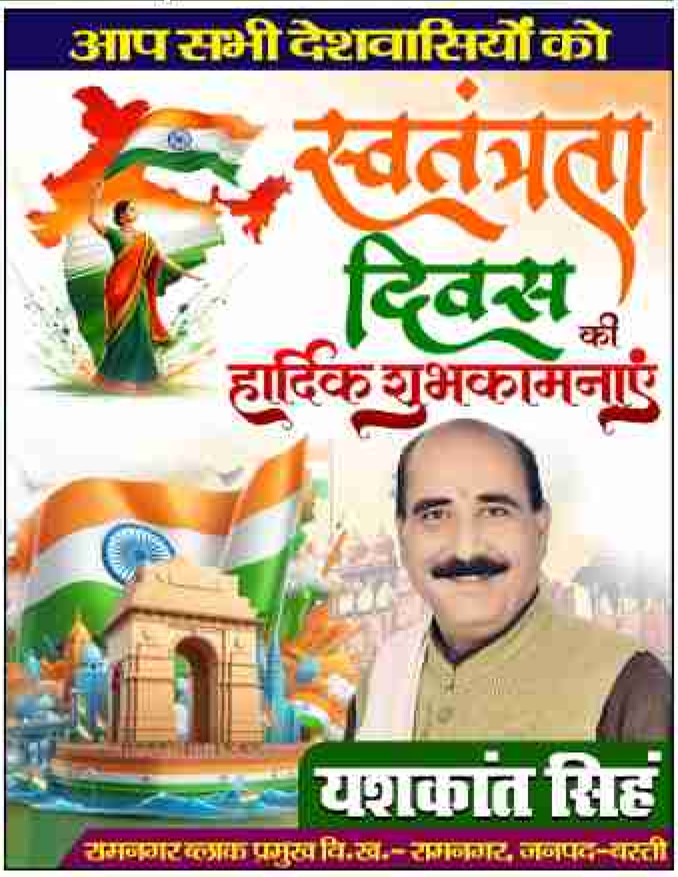

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट- हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

अनुराग कश्यप की निशांची का टीजर हुआ रिलीज, 19 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

दिल थाम लीजिए क्योंकि अमेजन स्त्रक स्टूडियोज इंडिया पेश कर रहा है निशानची की एक खास झलक! इस अपकमिंग थिएट्रिकल फिल्म का ऑफिशियल टीजर आ गया है और इसमें है भरपूर मसाला, इमोशंस, ड्रामा और ढेर सारा स्वैग. अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक दमदार देसी एंटरटेनर लग रही है जिसमें है एक तगड़ा तड़का एक्शन, ह्यूमर और सब कुछ फिल्मी अंदाज का.

निशानची को अजय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स के बैनर तले, फ्लिप फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है. फिल्म की कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है. 19 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही ये फिल्म दो भाइयों की उलझी हुई जिंदगी को दिखाएगी, जो बिल्कुल अलग रास्तों पर चलते हैं और कैसे उनके फैसले उनकी तकदीर तय करते हैं. देसी मिट्टी की खुशबू लिए ये कहानी आपको एक ऐसे दुनिया में ले जाएगी जो असली, जोशीली और पूरी तरह देसी रंग में रंगी हुई है.

टीजर की शुरुआत होती है एक दमदार लाइन से बिना बॉलीवुड, काहे का जिंदगी कैसे जिए? और बस, यहीं से आप घुस जाते हैं एक ऐसी दुनिया में जो म्यूजिक, डांस, तगड़ी एक्शन, बिना फिल्टर के ड्रामा और डबल धमाल से भरी है. यहां मिलते हैं बबलू (ऐश्वर्य ठाकरे) से एक रंग–बिरंगा लोकल हीरो, जो अपनी स्टाइल और एटीट्यूड में कमाल है. उसके साथ दिखती हैं रिंकू (वेदिका पिंटो), जो हर कदम पर बबलू को टक्कर देती है.

लेकिन तभी होता है असली ट्विस्ट यानी एंट्री होती है डबलू की. अम्मा (मोनिका पंवार) का आज्ञाकारी बेटा डबलू, उतना ही संस्कारी है जितना बबलू जुगाड़ू है. और भाई, बिना मसाले के देसी फिल्म कैसी? फिर टीजर में दिखते हैं कुछ मजेदार कैरेक्टर्स कमाल अजीब (मोहम्मद जीशान अय्यूब) जो कभी समझ नहीं आता, लेकिन नजरें नहीं हटतीं उनसे. और अंबिका चाचा (कुमुद मिश्रा), बाहर से शांत लेकिन अंदर से पूरे खेल वाले.

इसके साथ बजता है एक जबरदस्त बीट्स वाला गाना, जो और भी एनर्जी भर देता है माहौल में. फिर दिखती है सीटी–मार एंट्रीज, बड़े–बड़े किरदार और भरपूर ड्रामा. अगर टीजर पर भरोसा किया जाए, तो निशानची थाकई में देगा आपको देसी अंदाज में तगड़ा एंटरटेनमेंट: भरपूर धमाके, रॉ इमोशंस और अनुराग कश्यप का अलग ही टच.

तो तैयार हो जाए, क्योंकि निशानची 19 सितंबर को पूरे भारत के थिएटरों में लेकर आ रही है कृ गोलियां, गद्दारी और जबरदस्त भाईचारा.